RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना समाचार

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

Editor - Prafulla Parakh

वर्ष 3 अंक 1 | मूल्य - रू.1/- | जनवरी 2018 | पृष्ठ - 8

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से.....2

मंथन: गणतंत्र दिवस :
हमारा अभिमान हमारा गौरव....3

स्मार्ट गर्ल कार्यशाला.....4

बीजेएस गतिविधियाँ एवं समाचार 5-6

सूखा मुक्ति अभियान 7

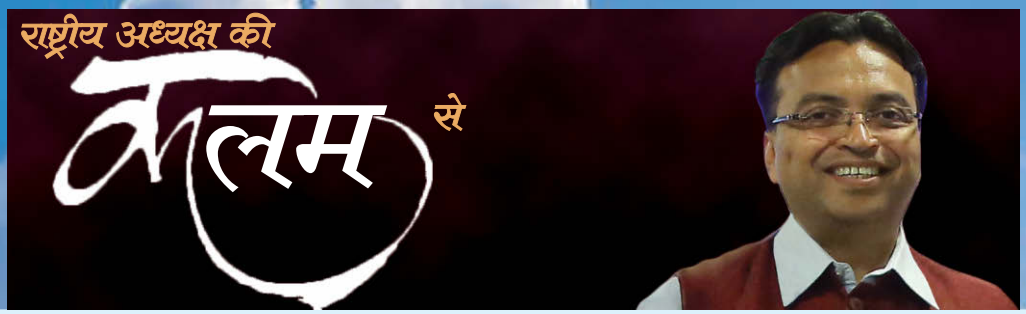

प्रिय आत्मजन,

वर्ष 2018 के शुभारम्भ पर आप सभी को हार्दिक अभिनंदन. ऐसा लग रहा है कि 2017 के 365 दिन आंख झपकते ही गुजर गए. यह वह काल क्रम है जो अबाध रूप से गतिमान रहता है किन्तु हमें कभी द्रुत तो कभी मंद अनुभव होता है. मानव प्रकृति ही ऐसी है कि सुखद क्षणों में समय ठहर जाए और विपत्तियों में तीव्रता से गुजर जाए ऐसी कामना रहती है, किन्तु समय की अपनी गति है जिसे बदलना हमारी क्षमताओं में नहीं है. प्रकृति ने एक विकल्प हमें अवश्य दिया कि समय को हम हमारे अनुकूल बना लें. वर्ष 2018, लगता है 21वीं शताब्दी ने युवावस्था की दहलीज पर कदम रख दिया है. इस शताब्दी की पुख्त वय कैसी होगी, यह तो भविष्य के गर्त में छिपा है किंतु हमारी कल्पनाओं से अधिक सुंदर व सुदृढ़ हो सकती है, बशर्ते नव संकल्पों से समय को अनुकूल बनाते हुए उसके साथ चलने की कला को आत्मसात कर लें. इतिहास गवाह है कि जिन्होंने समय की चाल को पहचाना, उन्हें पीछे मुड़कर देखने की जरूरत नहीं पड़ी. इस वास्तविकता को हमें यथा शीघ्र समझना होगा कि 21वीं शताब्दी हमारे समक्ष युग परिवर्तन के साथ-साथ अनेक चुनौतियां लेकर आयी है, जिन्हें स्वीकार करने के अतिरिक्त अन्य कोई विकल्प है ही नहीं. पुरानी जड़ वैचारिकी को तिलांजलि व आधुनिक तकनीकी को अपनाकर ही चुनौतियों का सामना संभव ही सकेगा. आशा है कि हम सभी 'समय है बदलाव का और समय के साथ बदलें', इस आवश्यकता को समझेंगे.

मित्रों! हम इस माह 69वां प्रजातन्त्र दिवस मनाने जा रहें हैं. इस उपलक्ष में आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं एवं अभिनंदन. हम सौभाग्यशाली हैं कि विश्व के सबसे बड़े प्रजातंत्रीय देश के नागरिक है. प्रजातंत्र का अर्थ है कि ऐसी शासन व्यवस्था जो प्रजा की, प्रजा के लिए और प्रजा द्वारा संचालित हो. संविधान निर्माताओं की भावना अत्यंत ही शुद्ध एवं पवित्र थी किन्तु उन भावनाओं को समझने में हमने सदैव से ही थाप खायी है.

अधिकारों के प्रति सजग रहना तथा कर्तव्यों से मुँह चुराना, यह मानव स्वभाव है किन्तु अधिकार और कर्तव्य एक दूसरे के पूरक होने ही चाहिए. प्रत्येक नागरिक को मिले मूलभूत अधिकार व उनके उपभोग का भी अधिकार निश्चित ही सौभाग्य का विषय है किंतु दुर्भाग्यवश देश में कुछ ऐसी परम्पराएं प्रस्थापित हुई हैं कि हम अधिकारों के दुरुपयोग के व्यसनी हो गये. इस देश में जन्म लेने वाला प्रत्येक व्यक्ति सर्वप्रथम हिन्दू, ईसाई, मुस्लिम आदि होता है और क्षेत्रीय भावनाओं की ग्रसितता उसे गुजराती, पंजाबी, मराठी या बंगाली आदि बना देती है. यह जड़ मानसिकता उसे प्रथम 'भारतीय' होने के एहसास से सदैव दूर रखती है. इसके अतिरिक्त भाषा और राजनीति के अनेक लेबल उसके साथ लगते जाते हैं. इस देश में जन्म लेने वाला सब कुछ बन जाता है किन्तु एक आदर्श नागरिक नहीं बन पाता. यह देश मेरा है, इसकी सार्वजनिक सम्पत्तियों का मैं स्वयं स्वामी हूँ, इसकी रक्षा मेरा उत्तरदायित्व है आदि भावनाओं तथा राष्ट्रीय वैचारिकी का अभाव देश की वर्तमान सभी पीढ़ियों में स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है. जब कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों की यह भावना हम सभी में जागृत होगी तब "मेरा भारत निश्चित ही महान" बनेगा और प्रजातंत्र खिल उठेगा. देश के संचालन में हमारी प्रत्यक्ष या परोक्ष कर्तव्यनिष्ठ सहभागिता से ही सामाजिक प्रजातन्त्र की स्थापना होगी जो किसी भी प्रजातंत्रीय प्रणाली के लिए परम् आवश्यक है. प्रजातन्त्र दिवस पर प्रतिवर्ष 'राजपथ' पर अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय अतिथियों की उपस्थिति में भव्य परेड, अनेक उत्सवों का सरकारी व निजी स्तर पर आयोजन निश्चित ही हमें गौरवान्वित करता है किन्तु हम सभी नागरिकों व सरकारों का यह राष्ट्रीय दायित्व बनता है कि संविधान के आदर सम्मान के साथ उस वास्तविक प्रजातन्त्र की स्थापना हेतु रचनात्मक प्रयास करें जो सही अर्थों में प्रजा का, प्रजा के लिए और प्रजा द्वारा हो.

भारतीय जैन संघटना एक उत्तरदायी संस्था के रूप में सदैव से राष्ट्रीय और सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन संस्थापक आदरणीय मुथ्थाजी के नेतृत्व में करता आ रहा है. देश की बेटियों को सक्षम करने के अभियान में बीजेएस ने महाराष्ट्र राज्य के साथ विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को बीजेएस के 'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम के तहत् सक्षम करने का कार्य विगत वर्ष से अहमदनगर में प्रारम्भ किया, इस वर्ष पुणे जिले में भी किया जा रहा है. जिला परिषद के सहयोग से वर्ष 2017 में अहमदनगर के 55 तालुका के 626 विद्यालयों में 70905 छात्राओं को सक्षम करने का कार्य किया गया था. जिला परिषद,पुणे के सहयोग से वर्ष 2018 में पुणे के 55 तालुका/ब्लाक के 1070 विद्यालयों में 142182 छात्राओं को सक्षम किया जा चुका है. इस वर्ष हेतु यह महाअभियान मार्च 2018 तक कुल 3 लाख छात्राओं को सक्षम करने के साथ पूर्ण होगा. 7 जनवरी, 2018 को भद्रावती-चंद्रपुर में आयोजित हुए बीजेएस के महाराष्ट्र राज्य अधिवेशन में आदरणीय मुथ्थाजी ने भीषण सूखे से प्रभावित महाराष्ट्र राज्य के 75 तालुका के 2500 गांवों में इस वर्ष सूखा मुक्ति अभियान चलाने की घोषणा की.

देश या राज्य में व्याप्त प्राकृतिक व सामाजिक समस्याओं से निपटना मात्र सरकारों का उत्तरदायित्व नहीं है अपितु हम सभी देशवासियों का कर्तव्य है, यह संदेश बीजेएस ने मात्र दिया नहीं अपितु समय-समय पर आवश्यकतानुरूप विभिन्न योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन से बीजेएस को एक आदर्श एवं उत्तरदायी संस्था के रूप में देश के समक्ष प्रस्तुत किया है.

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुंवा जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई सुरेश कोठारी, अहमदाबाद सुदर्शन जैन, बड़नेरा, वीरेंद्र जैन, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया, संजय सिंघी, रायपुर, राजेंद्र लुंकड़, इरोड़

मंथन

गणतंत्र दिवस : हमारा अभिमान - हमारा गौरव

गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है जो प्रति वर्ष 26 जनवरी को उत्सवित होता है. यह दिन हम सब देशवासियों के लिए अत्यंत ही महत्वपूर्ण है. अंग्रेज़ों की दासता से 15 अगस्त, 1947 को मिली मुक्ति के लगभग 30 माह पश्चात् भारत का संविधान इस दिन प्रभावी हुआ और भारत सार्वभौमिक प्रजातंत्रीय गणतंत्र राष्ट्र के रूप में 26 जनवरी 1950 को अस्तित्व में आया. स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस परस्पर पूरक हैं क्योंकि प्रथम से स्वतंत्रता प्राप्त हुई और व्दितीय से भारत के सभी समुदायों के बीच समानता, न्याय और सामंजस्य के महान आदर्शों की पूर्ति संभव हुई.

वास्तव में देश का संविधान 26 नवम्बर, 1949 को पारित हुआ था किंतु इसे 26 जनवरी, 1050 को प्रभावी किया गया क्योंकि इस दिन का देश के इतिहास में विशेष महत्व है. 26 जनवरी,1930 को भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस के द्वारा लाहौर अधिवेशन में सम्पूर्ण स्वराज्य की घोषणा की गई थी व राष्ट्रवादियों द्वारा भारतीय ध्वज को देश में जगह-जगह पर फ़हराया गया था. हालांकि स्वतंत्रता इस घटना के 17 वर्षों पश्चात् प्राप्त हुई थी किन्तु सम्पूर्ण स्वराज्य की क्रान्ति का बीज इसी दिन रोपित हुआ था.

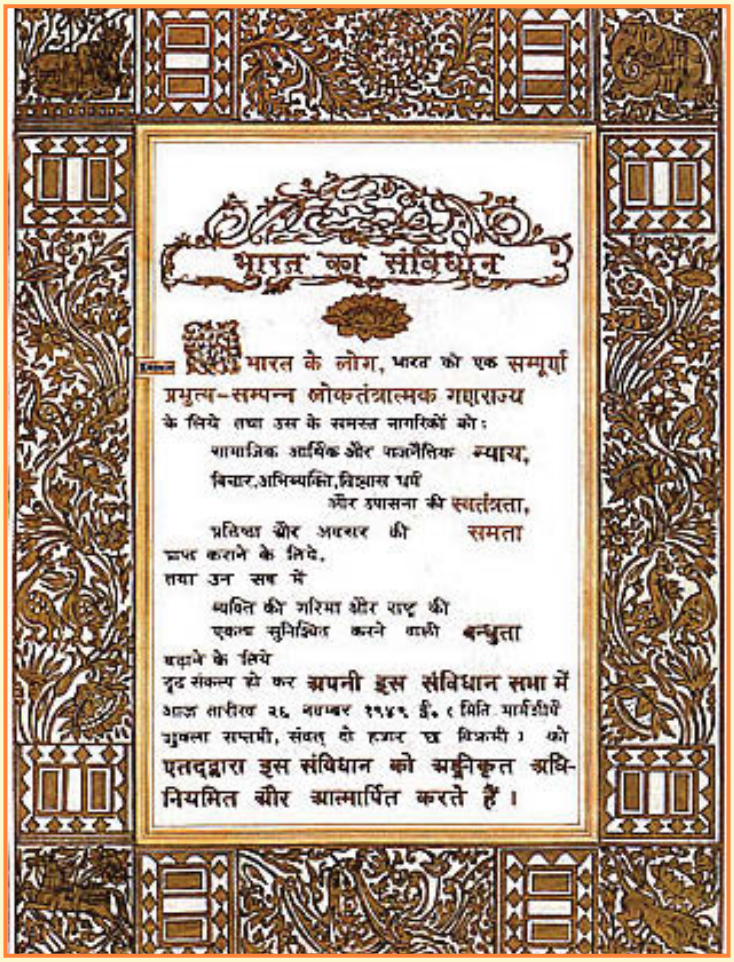

1947 में स्वतंत्रता मिलने पर भारत के पास उसका अपना संविधान नहीं था. 28 अगस्त, 1947 को स्वतंत्रता प्राप्ति के मात्र 13 दिनों के पश्चात् भारत के संविधान का प्रारूप तैयार करने हेतु एक समिति के गठन डॉ.भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता में किया गया, जिसने 26 नवम्बर, 1949 को संविधान के प्रारूप को पारित किया जिसकी प्रस्तावना अत्यंत ही सुंदर व अर्थपूर्ण शब्दों में लिखी गई. अंततः 24 जनवरी, 1950 को सभी 308 असेम्बली सदस्यों ने इस पर हस्ताक्षर किए व पूर्ण स्वराज्य की वर्षगांठ 26 जनवरी को मनाए जाना निश्चित किया गया.

अनेक अर्थों में गणतंत्र दिवस देशवासियों के लिए अत्यंत ही महत्वपूर्ण है. इस दिन हमारा देश विश्व का सबसे बड़ा प्रजातंत्रीय राष्ट्र बना. अंग्रेज़ी शासन की छाया से बाहर देश के नागरिकों को अधिकृत रूप से अधिकार प्राप्त हुए कि वे स्वतंत्र नागरिक के रूप में देश का प्रशासन सम्पादित कर सकें.

भारत का संविधान विश्व का सर्वाधिक लंबा, स्पष्ट तथा पूर्ण रूप से लिखित है जिसमें नागरिकों को न्याय, समानता, बंधुत्व और विचारों की अभिव्यक्ति, धर्म आदि के सभी का अधिकार प्रदान किये गये हैं. अमेरिका व भारत के संविधान में काफी समानताएं हैं जिसमें प्रजातंत्रीय मूल्यों के समावेश के साथ राजनीतिक सत्ता को नागरिकों में निहित किया गया है.

संविधान का सम्मान करना हम सभी नागरिकों का प्रथम कर्तव्य है. संविधान की भावनाओं के अनुरूप व विविध प्रावधानों के तहत् राष्ट्रीय सहिष्णुता बनाए रखने और विविध प्रतिभाओं के स्वतंत्र विकास तथा पूरे देश की अपेक्षाओं व आकांक्षाओं को पूर्ण करना भी नागरिकों के कर्तव्यों में निहित है. किन्तु देशवासियों की राजनीतिक निष्क्रियता व कुशल प्रशासन में उनकी भागीदारी में अरुचि व अधूरी समझ चिंता का कारण है. देश की स्वतंत्रता की 72 वर्षों की लंबी यात्रा के पश्चात् भी मताधिकार के उचित उपयोग के अधिकार को हम ठीक से समझ नहीं सके हैं. विश्व के सर्वाधिक बड़े प्रजातंत्रीय देश की प्रजासत्ताक प्रणाली अक्षुण रहे, हेतु प्रत्येक नागरिक की whistle blower की भूमिका अनिवार्य होगी. सुदृढ़ व सफल प्रजातंत्रीय शासन प्रणाली की कल्पना स्वतंत्र न्यायतंत्र, निष्पक्ष प्रेस तथा मीडिया और रचनात्मक विपक्ष के बिना नहीं की जा सकती. स्वस्थ प्रजातंत्र हेतु सम्पूर्ण व्यवस्थाएँ सूचारू रूप से कार्यरत हैं, यह सुनिश्चित करना हम सभी देशवासियों का राष्ट्रीय कर्तव्य है.

स्मार्ट गर्ल कार्यशालायें

सोलापुर(महाराष्ट्र), दि.16-17 दिस.,प्रतिभागी-56, प्रशिक्षिका -श्रीमती सुषमा गांधी, नाशिक

खरगोन(मध्यप्रदेश), दि.2-3 दिस.,
प्रतिभागी-45, प्रशिक्षिकाये -श्रीमती सरिता महाजन, खरगोन एवं श्रीमती प्रतीक्षा राजानी, राजकोट

आदिपुर-कच्छ(गुजरात), दि.19-20 दिस.,प्रतिभागी-46, प्रशिक्षिका - सुश्री दीप्ती धरमसी

किनी-कोल्हापुर(महाराष्ट्र),
दि.24-25 दिस.,प्रतिभागी-50,
प्रशिक्षक -श्री सचिन रुइकर,
सांगली

इंदौर(मध्यप्रदेश), दि.15-16 दिस.,प्रतिभागी-85, प्रशिक्षिका -श्रीमती राजेश्री चौधरी, उज्जैन

बालाघाट(छत्तीसगढ़),
दि.27-28 दिस.,
प्रतिभागी-45,
प्रशिक्षक - डॉ.रितेश जैन,
बिलासपुर

उदयपुर(राजस्थान), दि.24-25 दिस.,प्रतिभागी-52, प्रशिक्षक - श्री राजेश खिंवसरा,दिल्ली

यवतमाल(महाराष्ट्र), दि.15-16 दिस.,प्रतिभागी-111, प्रशिक्षक -श्री रत्नाकर महाजन,हिंगोली

सूरत(गुजरात), दि.29-30 दिस.,प्रतिभागी-50, प्रशिक्षिका - श्रीमती प्रतीक्षा राजानी, राजकोट

Smart Girl
To be Happy
To be Strong

करोची-कोल्हापुर(महाराष्ट्र), दि.24-25 दिस.,प्रतिभागी-35,
प्रशिक्षक -श्री दीपक पाटिल,सांगली

उदयपुर(राजस्थान), दि.23-24 दिस.,
प्रतिभागी-32, प्रशिक्षिका -सुश्री संगीता चोपड़ा,
बलोत्रा

दमोह(मध्यप्रदेश), दि.2-3 दिस,
प्रतिभागी-45,
प्रशिक्षिका -श्रीमती एकता बजाज,दमोह

राजस्थान-महाराष्ट्र में बीजेएस मेट्रिमोनियल गेट-टू-गैदर

400 युवक-युवतियों ने योग्य जीवन साथी चयन हेतु की सहभागिता

अखिल भारतीय स्तर पर जैन समाज के विवाह योग्य उच्च शिक्षित एवं प्रोफेशनल युवक-युवतियों के लिए बीजेएस मेट्रिमोनियल गेट-टू-गैदर आयोजित हुआ. जयपुर के मैरियट होटल में 17 दिसम्बर को 184 प्रतिभागियों एवं पुणे के "ओ" होटल में 24 दिसम्बर को 235 युवक-युवतियों ने देशभर के अनेक राज्यों से आकर सहभागिता की.

आज के जमाने में सफल वैवाहिक जीवन के लिए युवा वर्ग आपसी Compatibility को प्राथमिकता देते है. इसी को मद्देनजर रखते हुए युवक/युवतियों ने आयोजित स्पर्धात्मक गतिविधियों में भाग लिया जिससे उनके योग्य जीवन साथी के चयन का मार्ग प्रशस्त हुआ. कार्यक्रम में सहभागिता कर रहे प्रतिभागियों को 'बायोडाटा बुक' में से उनके व्दारा चिन्हित युवक/युवतियों से आपस में मुलाकात कर बातचीत करने का अवसर प्रदान किया गया.

भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने बताया कि बीजेएस मेट्रिमोनियल गेट-टू-गैदर में शामिल प्रतिभागियों को वह डाटा भी उपलब्ध करवाया जाता है जो विगत 1 वर्ष में देश भर में आयोजित बीजेएस परिचय सम्मेलन के माध्यम से रजिस्टर्ड हुए है एवं बीजेएस के सेंट्रल डाटा में भी उपलब्ध है,जिससे उम्मीदवारों को अधिक 'बायोडाटा' उपलब्ध हो जाते है. बीजेएस द्वारा आयोजित मेट्रिमोनियल गेट-टू-गैदर मात्र युवाओं या अभिभावकों को आपस में परिचय करवाने का मंच ही नहीं है अपितु वैवाहिक जीवन साथी चयन हेतु सही तरीके से एज्युकेट करने का भी प्रयास है.

उल्लेखनीय है कि देशभर में होने वाले सामान्य परिचय सम्मेलनों से हटकर, बीजेएस आयोजित मेट्रिमोनियल गेट-टू-गैदर में उच्च शिक्षितों को रिश्तों के चयन में सहजता एवं योग्य मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं. ज्ञात हो कि भारतीय जैन संघटना समाज के अलग-अलग वर्गों के लिए अलग-अलग परिचय सम्मेलनों एवं मेट्रिमोनियल गेट-टू-गैदर का आयोजन देश के कई शहरों में करता है. जिसकी विस्तृत जानकारी बेव साईंड www.bjsindia.org पर प्राप्त की जा सकती है.

राजस्थान राज्य में बीजेएस गतिविधियां एवं कार्यक्रम

राजस्थान राज्य मीटिंग

16 दिस.2017, उपस्थित-श्री प्रफुल्ल पारख (राष्ट्रीय अध्यक्ष), श्री सम्प्रति सिंघवी (राज्य अध्यक्ष) एवं सदस्य

कुचामन (राजस्थान), 20 दिस., प्रतिभागी-130

'व्यवसाय विकास कार्यक्रम' विशेषज्ञ – श्री राकेश जैन,बड़ौदा

जोधपुर (राजस्थान), 20 दिस., प्रतिभागी- 150

जयपुर (राजस्थान), 19 दिस., प्रतिभागी-70

टोंक(राजस्थान), 19 दिस., प्रतिभागी-50

मकराना (राजस्थान), 20 दिस., प्रतिभागी- 125

विकृति ख़त्म, चेहरों पर छाई खुशियाँ

भारतीय जैन संघटना के नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविरों में 1700 आपरेशन सम्पन्न

कटे – फटे ओंठ एवं तालू की समस्या आदि से विकृत चेहरे के उपेक्षित बच्चों एवं उनके अभिभावकों के चेहरों पर उस समय खुशियाँ छा गई जब भारतीय जैन संघटना व्दारा आयोजित नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर में अमेरिका से आये विश्व विख्यात प्लास्टिक सर्जन पद्मश्री स्व. डॉ. शरद कुमार दीक्षित की टीम के प्लास्टिक सर्जन डॉ.राज लाला, डॉ.ललिता लाला, डॉ.लैरी वेन्सटाइन, डॉ.सुप्रिया दीक्षित, डॉ.विजय मोरडिया, डा.अमित घीवाला टीम ने सफलतापूर्वक आपरेशन सम्पन्न किये. उपेक्षित व निचले तबके के बच्चों की इस गंभीर समस्या के निदान के लिए भारतीय जैन संघटना लगातार 25 वर्षों से नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर का आयोजन कर रहा है. इस वर्ष अंतर्गत देश के विभिन्न शहरों कोल्हापुर में – 110, नाशिक में – 97, संगमनेर में – 113, अहमदनगर में -150, औरंगाबाद में – 413, जामनगर में - 115, नागपुर में- 110, बेलगाम में – 45, पुणे में- 300+, उज्जैन में- 85 एवं इंदौर में-210 इस तरह कुल 1700 से अधिक आपरेशन किये गए. इन शिविरों में 5100 से अधिक मरीजों का परीक्षण किया गया था. उल्लेखनीय है कि मानव सेवा के इस विशाल कार्य में विगत ढाई दशक में 2.75 लाख से भी अधिक मरीजों को लाभान्वित किया जा चुका है.

बीजेएस गर्ल्स फिनिशिंग वर्कशॉप आयोजित

13 दिवसीय आयोजन में 6 राज्यों से 101 किशोरियों ने भाग लिया

मनुआस रियलिटी, रिंग रोड, रायपुर में जैन साधिका डॉ.प्रागभा विराट के सानिध्य में भारतीय जैन संघटना, छत्तीसगढ़ द्वारा पारिवारिक संस्कृति की समृद्धता से सिंचित करने के उद्देश्य से जैन समाज की विवाह के दहलीज पर खड़ी युवतियों हेतु 13 दिवसीय बीजेएस फिनिशिंग स्कूल कार्यशाला का आयोजन 2 से 14 जनवरी, 2018 तक किया गया.छत्तीसगढ़ राज्याध्यक्ष श्री प्रमोद लुनावत एव राज्य सचिव श्री पंकज चोपड़ा ने बताया कि धर्म ,संस्कृति एवं सामाजिक परिवर्तनों को ध्यान में रखकर इस कार्यशाला को डिजाईन किया गया है, जिसमें योगा, एरोबिक्स, मेडिटेशन, धार्मिक एवं सामाजिक मूल्यों के विकास, कुकिंग, फैशन, ब्यूटी-नॉलेज, एटिकेट, कम्युनिकेशन स्किल, पर्सनालिटी डेवलपमेंट जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों को जोड़ा गया है.

कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपस्थित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने वर्कशॉप में उपस्थित किशोरियों को जीवन में सफल व वैवाहिक जीवन की खुशहाली के लिए अनेक टिप्स दिए, आपने कहा कि हम सभी का जीवन में अंतत: एक ही उद्देश्य होना चाहिए कि हमारा जीवन खुशियो से भरपूर हो. आपने कहा कि जीवन में आत्मविश्वास जितना ऊँचा रखेंगें, दृष्टिकोण जितना सकारात्मक रखेंगे, परिजनों से संवाद जितना स्पष्ट रखेंगे, अपने विचारों के साथ दूसरों के विचार को भी जितना सम्मान देंगे उतना ही हमारा जीवन सरल व खुशहाल होगा.

बीजेएस मध्यप्रदेश राज्य अधिवेशन जबलपुर में 21 जनवरी को

भारतीय जैन संघटना के मध्यप्रदेश राज्य इकाई का एक दिवसीय अधिवेशन आगामी रविवार, 21 जनवरी,2018 को ज्ञान गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, जबलपुर में आयोजित हो रहा है. इस अधिवेशन में संस्थापक आद.श्री शांतीलालजी मुथ्था, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख, राज्याध्यक्ष डॉ. शरद दोशी एवं राज्यभर से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे.

जबलपुर इकाई से आयोजन प्रभारी एवं राज्यउपाध्यक्ष डॉ.विमल जैन ने बताया कि राष्ट्र निर्माण में BJS की भूमिका व कार्यकर्ताओं से अपेक्षा विषय पर श्री मुथ्थाजी एवं बीजेएस कार्यक्रमों का लक्ष्यानुसार प्रदेश में क्रियान्वयन पर श्री पारख कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे. साथ ही समाज के युवाओं की सामाजिक सहभागिता, व्यापार विकास जैसे अनेक विषयों पर वक्ताओं के संबोधन होंगे.

महाराष्ट्र के 75 तहसीलों के 2500 गांवों में होगा 'सूखा मुक्ति अभियान' : श्री मुथ्था

महाराष्ट्र राज्य अधिवेशन में बीजेएस कार्यकर्ताओं ने लिया संकल्प

भारतीय जैन संघटना का महाराष्ट्र राज्य अधिवेशन प्रसिद्ध जैन तीर्थ श्री केशरिया पार्श्वनाथ, भद्रावती-चंद्रपुर में 7 जनवरी को हजार से अधिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ. अधिवेशन में संस्थापक आद.श्री शांतीलालजी मुथ्था, श्री प्रफुल्ल पारख, श्री हंसराज अहीर (केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री), श्री बालूजी धानोरकर (विधायक-वरोरा), श्री नानाभाऊ शामकुले (विधायक-चंद्रपुर), श्री देवराज भोंगले (अध्यक्ष-जिला परिषद्), श्री नरेश पुगलिया (पूर्व सांसद एवं अध्यक्ष-सकल जैन समाज), श्री अनिल धानोरकर (नगर अध्यक्ष,भद्रावती), श्री अमर गांधी (राज्याध्यक्ष), श्री महेंद्र मंडलेचा (राज्य सचिव), श्री सुदर्शन जैन, श्री हस्तीमल बंब, श्री महेंद्र सुराणा, श्री पारस ओसवाल, श्री रजनीश जैन, श्री संजय सिंघी, श्री नरोत्तम रेड्डी (CEO-BJS), श्री सुशांत (MDFM-State Director) की प्रमुख उपस्थिति रही.

राज्य अधिवेशन में उपस्थित कार्यकर्ताओं के विशाल समूह को संबोधित करते हुए आद.श्री शांतीलालजी मुथ्था ने कहा कि विगत वर्ष महाराष्ट्र को दुष्काल मुक्त करने के अभियान में पानी फाउन्डेशन के साथ बीजेएस कार्यकर्ताओं ने महती भूमिका निभाई. इस वर्ष बीजेएस यह कार्य राज्य के 75 तहसीलों के 2500 गांवों में 75 तालुका को-आर्डिनेटर एवं बीजेएस के कर्मठ व जुझारू कार्यकर्ताओं के सहयोग से करने जा रहा है. इस हेतु हेतु मुख्य कार्यालय, पुणे में पृथक Cell टेक्नोलॉजी युक्त स्थापित हो रहा है. मोबाईल App. के जरिये सारी जानकारी तुरंत मिल सकेगी. आने वाले समय में BJS का मोबा. App. भी आपके हाथों में होगा.

श्री मुथ्था ने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया की MDFM के लिए वे भी JCB/Poklen खरीद सकते है, जो कि उन्हें बाजार से 20 से 25% कम रेट पर, 80% फायनेंस, 6% ब्याज दर पर उपलब्ध हो सकेगी. राज्य भर से 63 व्यक्तियों ने 84 JCB / 23 Poklen क्रय करने हेतु नाम दर्ज करवाए. आपने बीजेएस कार्यकर्ता से आव्हान किया कि MDFM कार्य में तालुका सुपर वाईजर को सहयोग करें, अपने क्षेत्र के सम्बन्धित अधिकारियों, विभागों से संपर्क बनाये रखे एवं समाज तक भी इस प्रोजेक्ट के कार्यों की जानकारी दे.

श्री मुथ्था ने बताया कि मूल्यवर्धन की किताबें उर्दू सहित 5 भाषाओँ में तैयार है, आगामी 2 वर्षों में प्रत्येक तालुका के प्रत्येक स्कूल में मूल्यवर्धन जायेगा. आपने कार्यकर्ताओं को कहा कि अपने क्षेत्र के अनाथ बच्चों की लिस्ट तैयार रखे, जरुरत पड़ने पर इन बच्चों को रैयत या अन्य शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश दिलाया जा सकता हैं.

कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व सांसद एवं जैन समाज अध्यक्ष श्री नरेश गुगलिया ने श्री मुथ्था से अपील की कि गढ़चिरौली-चंद्रपुर के 10 तालुका को MDFM में शामिल करे, शेतकरी आत्महत्या क्यों कर रहा है, इस के निराकरण पर भी कार्य करें. शेतकरी के लिए वाटर मिशन के साथ उनकी उपज की मार्केटिंग मिशन को भी हाथ में लेना चाहिए.

बीजेएस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने कहा कि बीजेएस के कार्यक्रमों की सम्पूर्ण जानकारी के लिए जिला स्तरीय लीडरशिप ट्रेनिंग प्रोग्राम किये जाना चाहिए. इससे युवा नेतृत्व को भी आगे आने में मदद मिलेगी. युवाओं ने आगे आना चाहिए. राज्य पदाधिकारी (धूलिया बैठक में तय अनुसार) अपने क्षेत्र को छोड़कर अन्य क्षेत्रों में, विभागीय पदाधिकारी अपने विभाग में तथा जिला पदाधिकारी गांव स्तर तक दौरा कार्यक्रम बनाये.

आपने कार्यकर्ताओं से अपील की कि अल्पसंख्यकता के लाभ समाज तक पहुँचाने हेतु मायनरीटी रिसोर्स पर्सन के लेक्चर प्रोग्राम आयोजित करे. ऑनलाईन आवेदन प्रक्रिया प्रोसेस की ट्रेनिंग ले व अपने क्षेत्र में इस हेतु कार्यरत रिसोर्स पर्सन का प्रचार-प्रसार करे. धार्मिक संस्थाओं को अल्पसंख्यकता के लाभ, इस नये प्रजेंटेशन का भी लाभ संस्थाओं को मिले इस हेतु प्रयास करें. बीजेएस के कार्यक्रम आपके शहर तक कैसे पहुंचे इस हेतु बीजेएस के वरिष्ठ पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष को कहे या मुख्य कार्यालय, पुणे में भी संपर्क कर सकते है.

राज्य अधिवेशन में कार्यकर्ताओं को श्री हंसराज अहीर (केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री), श्री बालूजी धानोरकर (विधायक) ने भी संबोधित किया. अधिवेशन में राज्याध्यक्ष श्री अमर गांधी ने विगत एक वर्षो में किये गये कार्यो की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए आगामी एक वर्ष के कार्यकर्ताओं से पूर्ण सहयोग से कार्य करने हेतु आव्हान किया. कार्यक्रम में अतिथियों ने राज्य डायरेक्ट्री का विमोचन किया. कार्यक्रम का सफल एवं प्रभावी संचालन राष्ट्रीय मंत्री श्री संजय सिंघी,रायपुर ने किया.

श्री हस्तीमल बंब होंगे महाराष्ट्र के आगामी राज्याध्यक्ष

महाराष्ट्र राज्य अधिवेशन में संस्थापक आद. श्री शांतीलालजी मुथ्था की उपस्थिति में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने आगामी वर्ष 2019-2020 के लिए महाराष्ट्र राज्याध्यक्ष हेतु वरिष्ठ एवं अनुभवी श्री हस्तीमल बंब, जालना के नाम की घोषणा की, उपस्थित कार्यकर्ताओं ने हर्ष ध्वनि के साथ उनके नाम का समर्थन किया. श्री हस्तीमल बंब, राज्याध्यक्ष का पदभार इस वर्ष अंत में होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन, बैंगलोर (कर्नाटक) में ग्रहण करेंगे.

श्री बंब ने सभी वरिष्ठ एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे बीजेएस कार्यक्रमों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने में कार्यकर्ताओं के सहयोग से पूरी निष्ठां से कार्यरत रहेंगे.

सत्यमेव जयते-वाटर कप प्रतियोगिता 2018 के शुभारम्भ की हुई घोषणा

12 जनवरी, 2018 को मुम्बई में आयोजित कार्यक्रम में फिल्म अभिनेता एवं निर्माता श्री आमीर खान ने महाराष्ट्र सूखा मुक्ति अभियान के तहत् 75 तालुकाओं के 2500 गांवों हेतु वाटर कप प्रतियोगिता 2018 की घोषणा करते हुए कहा कि वर्ष 2019 तक महाराष्ट्र को सम्पूर्ण रूप से सूखा मुक्त कर दिया जाएगा. इस अवसर पर उपस्थित श्री शांतीलालजी मुथ्था ने पानी फाउंडेशन के साथ मिलकर महाराष्ट्र सूखा मुक्ति अभियान में रचनात्मक एवं निर्णायक भूमिका हेतु भारतीय जैन संघटना के संकल्प को दोहराया. आपने कहा कि 100 से अधिक जेसीबी तथा पोकलेन मशीनों व्दारा प्रत्येक गांव को 150 घंटो हेतु सहायता की जाएगी ताकि ग्रामजन के सामूहिक श्रमदान के उपरांत बचे कठिन कार्यों को पूर्ण किया जा सके.

इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य में मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फड़नवीस, श्री रतन टाटा, श्रीमती किरण राव खान, श्री मुकेश अम्बानी, श्री शांतीलाल मुथ्था, श्री सत्यजीत भटकल उपस्थित थे जिन्होंने इस परियोजना को पूर्ण समर्थन व सहयोग देने का आश्वासन दिया.

बीजेएस मध्यप्रदेश राज्य कार्यकारिणी समिति सभा 28 दिस. को इंदौर में सम्पन्न

28 दिसम्बर को इन्दौर में संम्पन्न बीजेएस की राज्य स्तरीय मीटिंग में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्लजी पारख ने आगामी मध्यप्रदेश राज्य अधिवेशन के सबंध में ओजस्वी सम्बोधन व प्रेरणादायी मार्गदर्शन दिया. आपने बताया कि राज्य सम्मेलन में बीजेएस संस्थापक आदरणीय शांतीलालजी मुथ्था भी विशेष रूप से उपस्थित होंगे. अतः उपस्थित सभी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों व स्टेट कौंसिल के सदस्यों से अनुरोध किया कि राज्य का व्यापक दौरा कर प्रदेश के सभी चेप्टरों को अधिवेशन में भाग लेने हेतु प्रेरित करें. राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री वीरेंद्रकुमार जैन, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री राकेश जैन, श्रीमती साशा जैन, श्री अनिल रांका, राज्याध्यक्ष डॉ. शरद डोसी, राज्य उपाध्यक्ष श्री दिलीप डोसी, राज्य महासचिव श्री वीरेंद्र नाहर, रीजन चेयरमेन, स्टेट कॉन्सिल के सदस्य व स्थानीय चेप्टरों के अध्यक्ष भी उपस्थित थे. श्री पारख ने इस देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नरेन्द्र धाकड़ से भी विश्वविद्यालय के 280 महाविद्यालय की 1 लाख छात्राओं हेतु 'स्मार्ट गर्ल कार्यशाला' आयोजित करने की योजना बनाने की स्वीकृति भी प्राप्त की.

To,

RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Published on 15.01.2018
Posted at Market Yard PSO, Pune On-18.01.2018

If undelivered Please Return To
BJS
Bharatiya Jain Sanghatana
Level IV, Muttha Towers, Loop Road, Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411006
Tel. : 020 4120 0600, 4128 0011, 4128 0012
Website: www.bjsindia.org **Email :** info@bjsindia.org **Facebook :** www.facebook.com / BJSIndiacommunity **Tweeter :** BJS_India

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, 427, गुलटेकड़ी, पुणे – 411037 से मुद्रित तथा मुथ्था टावर, लूप रोड, नियर डॉन वास्को चर्च, येरवडा, पुणे – 411006 से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (020) 41200600